कक्षा-4 के लिए अपठित गद्यांश

चंद्रयान

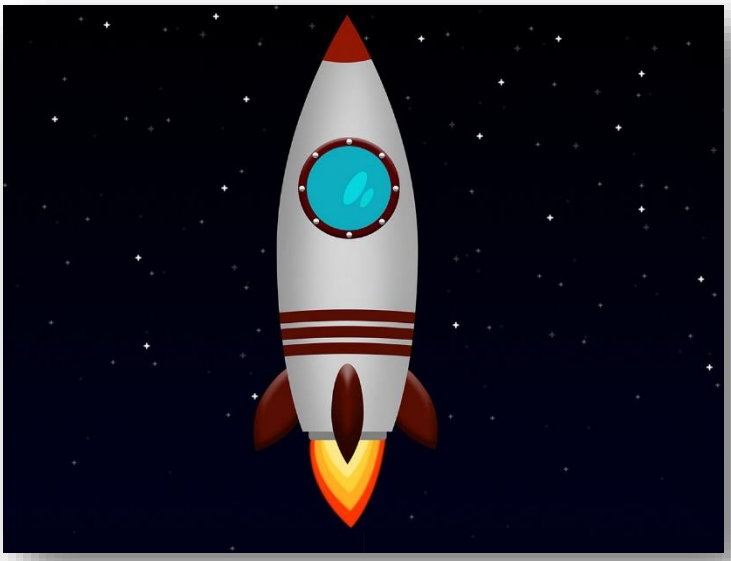

चंद्रयान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का एक महत्वाकांक्षी चंद्रमा मिशन है, जिसका उद्देश्य चंद्रमा की सतह और उसके रहस्यों की गहराई से समझ विकसित करना है। चंद्रयान-1, जो 2008 में लॉन्च किया गया था, भारत का पहला चंद्रमा मिशन था, जिसने चंद्रमा पर जल के अणुओ› की खोज की थी, जिससे वैश्विक ध्यान आकर्षित हुआ।

इसके बाद, चंद्रयान-2 ने 2019 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में लैंडर 'विक्रम' को उतारने का प्रयास किया, हालाँकि लैंडिंग के समय तकनीकी समस्याओं के कारण यह सफल नहीं हो सका। इसरो ने चंद्रयान-2 में एक ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर का समावेश किया था, जिससे चंद्रमा की सतह, उसकी खगोलीय संरचना और भूगर्भीय गतिविधियों का विस्तृत अध्ययन किया जा सके। इन मिशनों के माध्यम से भारत ने न केवल अपनी विज्ञान और तकनीकी क्षमताओं को प्रदर्शित किया, बल्कि अंतरिक्ष अन्वेषण में भी अपनी उपस्थिति को मजबूती प्रदान की। आगामी चंद्रयान-3 मिशन, जिसमें केवल लैंडर और रोवर शामिल हैं, चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग करने के उद्देश्य से शानदार तैयारी में है।

चंद्रयान परियोजनाएं भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक नई दिशा को खोलने के साथ-साथ अंतरिक्ष अनुसंधान में वैश्विक स्तर पर भारत के योगदान को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। चंद्रयान के माध्यम से भारत ने अंतरिक्ष की अनंतता में अपनी खोजों को जारी रखे हुए है, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवाचार के द्वार खुलते हैं।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. गद्यांश के अनुसार चंद्रयान का मिशन क्या है?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०2. लैंडर 'विक्रम' का मिशन असफल क्यों हुआ?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०3. भारत की किस खोज से संसार का ध्यान आकर्षित हुआ?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०4. चंद्रयान ने आने वाली पीढ़ियों को कैसे प्रेरित किया है?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०5. गद्यांश से दो संज्ञा शब्द चुनिए और वाक्य बनाइये

1. - ----------

---

2. ----------